आने वाला समय नई चुनौतियों का, हमेशा रहें तत्पर: कोविंद

जीएमसीएच-32 में हुआ प्रथम स्नातकोत्तर दीक्षांत समारोह का आयोजन, 270 स्नातकोत्तर डॉक्टरों ने हासिल की डिग्रियां

- स्वास्थ्य सेवाएं मानव कल्याण के लिए बहुत जरूरी
- डिग्रियों को बताया प्रोफेसर और परिवार के लिए सुखद पल

फोटो: अनिल कुमार/जगमार्ग

वैभव शर्मा

चंडीगढ़ (जगमार्ग न्यूज)। यह क्षण एक अलग चुनौतियों को था जिसे सबने पार कर लिया। लेकिन अब जो आने वाले समय में चुनौतियां सामने होंगी वो बिल्कुल अलग होंगी। उनका अर्थ अलग होगा, उनका समाधान अलग होगा। इन चुनौतियों ने निपटने के लिए अभरी से तत्पर होने की जरूरत है। मानव कल्याण के कार्यों में योगदान देने का समय आ गया है। खुद को इस तरह से बनाए कि आपके पास आने वाला मरीज आपके व्यक्तित्व को देखकर ही आधा ठीक हो जाए। यह बात शुक्रवार को गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल सेक्टर-32 में आयोजित प्रथम स्नातकोत्तर दीक्षांत समारोह में बोलते हुए देश के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहें। उन्होंने डॉक्टरों को एक अच्छे डॉक्टर बनने के साथ-साथ, एक नेक इंसान बनने के लिए जागरूक किया। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद इस प्रथम स्नातकोत्तर दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए थे। उन्होंने डिग्रियां हासिल करने वाले डॉक्टरों से कहा कि अब उनकी असली परीक्षा शुरू होगी।

जीएमसीएच सेक्टर-32 ने शुक्रवार को अपना उद्घाटन स्नातकोत्तर दीक्षांत समारोह आयोजित किया। इस कार्यक्रम ने एमडी, एमएस, डीएम और एमफिल छात्रों की शैक्षणिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर चिह्नित किया, जिन्हें उनके कठिन परिश्रम से सम्मानित किया गया और उन्हें डिग्रियां वितरित की गई। भारत के पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद के अलावा इस समारोह में राज्यपाल पंजाब और प्रशासक यूटी चंडीगढ़ बनवारीलाल पुरोहित अतिथि के रूप में मौजूद रहें। उनकी भागीदारी ने स्नातकोत्तर छात्रों की उपलब्धियों में अत्यधिक प्रतिष्ठा और प्रोत्साहन जोड़ा।

इस वर्ष, पंजाब विश्वविद्यालय ने अकादमिक स्वायत्तता में एक महत्वपूर्ण विकास को चिह्नित करते हुए और अकादमिक समुदाय द्वारा जीएमसीएच को दिए गए विश्वास और मान्यता को रेखांकित करते हुए, जीएमसीएच को स्वतंत्र रूप से पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री प्रदान करने का विशेषाधिकार दिया था। इस अधिकार के मिलने के बाद ही जीएमसीएच-32 के प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रथम स्नातकोत्तर दीक्षांत समारोह आयोजित करने की योजना बनाई थी। उनकी कोशिश थी कि इस कार्यक्रम को एक यादगार पल की तरह हर कोई अपने दिलों में याद रखें।

जीएमसीएच-32, चंडीगढ़ का एक प्रमुख चिकित्सा संस्थान है जो स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध है। संस्था के पास चिकित्सा पेशेवरों को बढ़ावा देने और चिकित्सा विज्ञान की प्रगति में योगदान देने की एक समृद्ध विरासत है। यहां पर आने वाले लोगों को इलाज के साथ-साथ एक बेहतर व्यवस्था भी मिलती है। चंडीगढ़ के स्वास्थ्य सेवाएं देने में जीएमसीएच-32 हमेशा लोगों की पहली पसंद रहा हैं।

दीक्षांत समारोह के दौरान प्रशासक के सलाहकार राजीव वर्मा, सचिव चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान अजय चगती, निदेशक-प्रिंसिपल प्रो. एके अत्री, प्रोफेसर प्रभारी अकादमिक, प्रोफेसर जीपी थामी और अन्य प्रतिष्ठित संकाय सदस्य और अतिथि उपस्थित थे। सभी डिग्री धारकों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। मुख्य अतिथि कोविंद ने शुक्रवार को डिग्री प्राप्त करने वाले लगभग 270 स्नातकोत्तर डॉक्टरों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह डिग्री आपके साथ-साथ आपके प्रोफेसरों और परिवारजनों के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि है। आपकी उपलब्धि आपकी अपनी कड़ी मेहनत का परिणाम है, लेकिन इसे आपके प्रोफेसरों और आपके परिवारों से मिले समर्थन से भी मदद मिली है।

कोविंद ने कहा कि स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच एक बुनियादी मानव अधिकार है और हमारे देश ने न केवल अपने लोगों को, बल्कि हमारे पड़ोस और उससे आगे के देशों के मरीजों को भी अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने में बहुत प्रगति की है। आज के युग में सूचना प्रौद्योगिकी, रोबोटिक्स के बढ़ते उपयोग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उभरते अनुप्रयोगों के साथ चिकित्सा क्षेत्र बदल रहा है। उनकी इच्छा थी कि सभी लोग चिकित्सा, राष्ट्र और मानवता की कई-कई वर्षों तक सेवा कर सकें।

खड़क मंगोली की झुग्गियों में लगी आग एक के बाद एक कई सिलेंडर फटे

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ने पीड़ित परिवारों से की मुलाकात

- हर संभव सहायता का दिया आश्वासन

जगमार्ग न्यूज

पंचकूला। गिर्मयों की दस्तक शुरू होते ही जिले में आगजनी की घटनाएं होने लगी है। शुक्रवार को पंचकूला के खड़क मंगोली स्थित झुग्गियों में दोपहर करीब एक बजे भीषण आग लग गई। आग लगने के बाद झुग्गियों में रखे कई सिलेंडर एक के बाद एक फट गए जिस कारण आग ने और भयंकर रूप धारण कर लिया था। आग में करीब आठ झुग्गियां जल गई। मौके पर फटे हुए सिलेंडर भी मिले हैं। सूचना पाते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस मौके पर पहुंचे और फायर कर्मियों ने आग पर काबू पाया। मौके पर आग बुझाने के लिए करीब फायर ब्रिगेड की 6 गाड़ियां पहुंची। घटना की सूचना मिलते ही हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने मौके पर पहुंचकर पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। शॉर्ट सर्किट की वजह से झुग्गियों में रखे लगभग सात-आठ सिलेंडरों में ब्लास्ट हुआ जिससे आग फैल गई। दमकल की पांच गाड़ियां ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया और एक बड़ी घटना होने से टल गई। गुप्ता ने मौके पर उपस्थित एसडीएम पंचकूला गौरव चौहान को निर्देश दिए की जब

तक आग की घटना में प्रभावित परिवारों का पुनर्वास नहीं हो जाता तब तक उनके तीनों समय के खाने-पीने और ठहरने की व्यवस्था जिला प्रशासन द्वारा की जाए। यह सुनिश्चित किया जाये की उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो। गुप्ता ने घटना की जांच के लिये एक कमेटी गठित करने के भी निर्देश दिये। यह कमिटे आग लगने के कारणों के साथ- साथ घटना में हुए नुकसान का आंकलन कर अपनी रिपोर्ट देगी। उन्होंने रेड क्रॉस सोसाइटी, पंचकूला को पीड़ित परिवारों के पुनर्वास करने में सहायता करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर बीजेपी के प्रदेश सह मीडिया प्रमुख नवीन गर्ग, पार्षद सोनू बिडला,सुदेश बिड़ला, पार्षद नरेंद्र लुबाना भी उपस्थित थे।

एचडीएम को चंडीगढ़ विजिलेंस ने रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा

चंडीगढ़ (जगमार्ग न्यूज)। चंडीगढ़ विजिलेंस टीम ने बिल्डिंग ब्रांच के एक एचडीएम को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। एचडीएम की पहचान बिपिन बग्गा के रूप में हुई है। वहीं एचडीएम के साथ-साथ विजिलेंस ने एक दलाल को भी गिरफ्तार किया है। दलाल की पहचान अनिल के रूप में हुई है। दोनों की गिरफ्तारी 15,000 रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में हुई है। बताया जा रहा है कि दलाल अनिल के जरिये एचडीएम तक रिश्वत पहुंचाने की सेटिंग की जाती थी। विजिलेंस तक जब इसकी जानकारी पहुंची तो उन्होंने रिश्वतखोरों को पकड़ने के लिए जाल बिछाया और दोनों को रंगे हाथों दबोच लिया। विजिलेंस टीम अब दोनों से पूछताक्ष करेगी और आगे की बनती कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, उक्त मामले को लेकर अभी ज्यादा जानकारी नहीं मिल पाई है।

वर्ल्ड आईपीआर डे पर एसडी कॉलेज ने इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी राइट्स पर केंद्रित ऑनलाइन सत्र आयोजित

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन कार्उंसिल की ओर से शुक्रवार को वर्ल्ड आईपीआर डे के अवसर पर कॉलेज के जूलोजी व कामर्स एंड मैनेजमेंट विभाग के सहयोग से इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी राइट्स पर केंद्रित ऑनलाइन सत्र का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कामर्स और इंडस्ट्री मंत्रालय, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संवर्धन विभाग, पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक कार्यालय, इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी इंडिया और नेशनल इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी अवेयरनेस मिशन की साझेदारी में आयोजित किया गया था। सत्र में छात्रों द्वारा कुल 288 रिस्पांस प्रस्तुत किए गए, जिसने विषय में मजबूत रुचि और जुड़ाव का संकेत दिया। भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के कोलकाता स्थित पेटेंट कार्यालय से पेटेंट और डिज़ाइन के परीक्षक और एनआईपीएएम अधिकारी,

- सत्र में पेटेंट, ट्रेडमार्क, कॉपीराइट और व्यापार रहस्य सहित विभिन्न प्रकार की इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी के बारे में दी गई जानकारी

समूह 'ए' गजेटेड निखिल रंजन ने सत्र में मुख्य वक्ता थे। सत्र के दौरान रंजन ने इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी राइट्स (आईपीआर) का एक व्यापक अवलोकन प्रदान किया, जिसमें बुनियादी अवधारणाओं से परे विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया था। उन्होंने पेटेंट, ट्रेडमार्क, कॉपीराइट और व्यापार रहस्य सहित विभिन्न प्रकार की इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी के बारे में विस्तार से जानकारी दी और उनकी विशिष्ट विशेषताओं और कानूनी सुरक्षा पर प्रकाश डाला। रंजन ने आज के प्रतिस्पर्धी परिदृश्य में इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी एसेट्स की सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि कैसे वे नवाचार, रचनात्मकता और आर्थिक विकास के लिए अमूल्य उपकरण के रूप में काम करते हैं। इसके अलावा, रंजन ने पेटेंट प्राप्त करने की प्रक्रिया, पेटेंट आवेदन दाखिल करने में शामिल चरणों को स्पष्ट करने, पेटेंट खोज करने और पेटेंट अभियोजन की जटिलताओं पर चर्चा की। इसके अलावा रंजन ने पेटेंट प्राप्त करने की प्रक्रिया, पेटेंट आवेदन दाखिल करने में शामिल चरणों को स्पष्ट करने, पेटेंट खोज करने और पेटेंट अभियोजन की जटिलताओं पर चर्चा की। उन्होंने नवीन आविष्कारों के लिए पेटेंट संरक्षण हासिल करने में पेटेंट कार्यालयों की भूमिका और कानूनी आवश्यकताओं और नियमों का पालन करने के महत्व पर प्रकाश डाला।

विदेश भेजने के नाम पर ठगी गई रोहतक की एक महिला

चंडीगढ़ (जगमार्ग न्यूज)। चंडीगढ़ में विदेश भेजने के नाम पर ठगी के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। ताजा मामले में सेक्टर 34 थाना पुलिस ने सेक्टर 34 की ही एक इमीग्रेशन फर्म के खिलाफ लाखों रुपए की ठगी के दो मामले दर्ज किए हैं। पहले मामले में रोहतक की रहने वाली महिला ने आरोप लगाया कि सेक्टर 34 की ईगल वन एडवाइजर नामक इमीग्रेशन फर्म ने उन्हें और उनके तीन स्टूडेंट्स को विदेश भेजने के नाम पर 46.30 लाख रुपए की ठगी की। महिला पेशे से ट्यूटर है और वह सिंगापुर जाना चाहती थी। वहीं उसके तीनों स्टूडेंट को कनाडा जाना था। जनवरी 2023 में रकम देने के बावजूद इमीग्रेशन फर्म ने ना तो उन्हें विदेश भेजा और ना ही उनके पैसे वापस किए। जिसे लेकर सेक्टर 34 थाने में शिकायत दी गई, जिस पर पुलिस ने विश्वासघात, धोखाधड़ी तथा आपराधिक साजिश रचने की धाराओं में मामला दर्ज किया है। जिन आरोपियों के खिलाफ शिकायत दी गई है उनमें गुरिंदर सिंह उर्फ गुरी, अनुपम, जसकरण, गगनदीप, हरमन तथा अमित शामिल हैं। वहीं, इसी इमीग्रेशन फर्म के खिलाफ खन्ना के नवप्रीत सिंह ने भी शिकायत दी है।

दो स्नैचर गिरफ्तार युवक से छीना था मोबाइल

चंडीगढ़ (जगमार्ग न्यूज)। चंडीगढ़ पुलिस ने स्नैचिंग की वारदात में शामिल दो स्नैचरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान 19 वर्षीय मोंटी निवासी नियर खेड़ा मंदिर सकेतड़ी पंचकूला और 22 वर्षीय नितीश कुमार निवासी मानव कॉलोनी सकेतड़ी पंचकूला के रूप में हुई हैं। आरोपियों के खिलाफ 13 अप्रैल को आईपीसी की धारा 379ए, 34 आईपीसी के तहत, संतोष कुमार निवासी किशनगढ़ की शिकायत पर पुलिस थाना-26 में केस दर्ज हुआ था। शिकायत में पीड़ित ने बताया था कि वह अपने काम से अपनी साइकिल पर घर जा रहा था और जब वह गोल्फ रेंज टर्न बैक साइड लेक के पास पहुंचा तभी दो अज्ञात मोटर साइकिल सवार पीछे से आए और उसका मोबाइल फोन छीन कर भाग गए। जांच के दौरान आरोपी मोंटी और नितीश कुमार को गिरफ्तार किया गया। 25 अप्रैल को छीना गया मोबाइल फोन और अपराध में प्रयुक्त मोटरसाइकिल उनके पास से बरामद की गई। दोनों को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

चंडीगढ़ का पारा पहुंचा 40 डिग्री के पार शुक्रवार रहा सीजन का सबसे गर्म दिन

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। शहर में शुक्रवार को आग उगल रहे सूरज की वजह से लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया। ऐसे में शुक्रवार का दिन सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। मौसम विभाग के मुताबिक शुक्रवार को शहर का पारा 40 डिग्री को भी पार कर गया। ऐसे में पंखों की हवा भी गर्म महसूस होने लगी है। लेकिन मौसम विभाग के अनुसार जल्द ही शहरवासियों को इस गर्मी से राहत मिल सकती है। क्योंकि शनिवार और रविवार को शहर में बारिश के आसार बन रहें हैं। इस दौरान तेज हवाएं भी चल सकती हैं। विभाग की ओर से जारी बुलेटिन के मुताबिक शुक्रवार को शहर का अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री दर्ज किया गया जोकि सामान्य से 3 डिग्री अधिक रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 20.6 डिग्री दर्ज किया गया।

विभाग के मुताबिक शहर में 29 और 30 अप्रैल को छिटपुट स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। हरियाणा और चंडीगढ़ में 27 और 28 अप्रैल को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इस दौरान पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ तेज हवा (गति 40-50 किमी प्रति घंटे) चलने तथा 28 अप्रैल को पंजाब में गरज-चमक के साथ तेज हवा (गति 30-40 किमी प्रति घंटे) की संभावना है। पंजाब और हरियाणा में 27 अप्रैल को कुछ स्थानों ओलावृष्टि होने की भी संभावना है। अगले 5 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बड़ा परिवर्तन नहीं होने की संभावना है।

आगे का मौसम

- विभाग के मुताबिक शनिवार को बादल छाए रहने के साथ बारिश की संभावना है। ऐसे में अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम 23 दर्ज किया जा सकता है।
- रविवार को मौसम साफ रहेगा। ऐसे में अधिकतम तापमान ऐसे में अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम 22 दर्ज किया जा सकता है।
- सोमवार को बारिश की संभावना है। ऐसे में अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम 23 डिग्री दर्ज किया जा सकता है।

मेकडी फूड आउटलेट के बाथरूम में युवक का शव मिलने से सनसनी फैली

जीरकपुर (जगमार्ग न्यूज)। बीती वीरवार दुपिहर करीब सवा एक बजे मेकडी फूड आउटलेट के बाथरूम में युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई थी। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए डेरा बस्सी सिवल अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया था। लेकिन शव की पहचान नही हो पाई थी। शुक्रवार को मृतक के परजिनों के आने के बाद शव की पहचान अर्शदीप सिंह निवासी गुल मोहर सिटी डेरा बस्सी के रूप में हुई है। डाक्टरों की पोस्टमार्टम के सेंपल ले लिए है जिसकी रिपोर्ट एक महीने बाद आएगी। लेकिन प्राथमिक जांच में हर्ट अटैक की आशंका जताई जा रही है। डाक्टरों द्वारा नशे की ओवरडोज से इंकार किया जा रहा है। मामले के सबंध में जांच अधिकारी धर्मपाल सिंह ने बताया की बाथरूम में शव मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में रखा दिया था। जिसकी प्राथमिक जांच में हार्ट अटैक की बात समाने आई है। मृतक की पहचान अर्शदीप निवासी डेरा बस्सी के रूप में हुई है।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को मयंक ने भेंट की अपनी नई किताब 'बौनी गुड़िया'

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। शहर के वरिष्ठ पत्रकार, लेखक और समाज सेवक मयंक मिश्रा ने अपनी नई किताब 'बौनी गुड़िया'भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को भेंट की। शुक्रवार को पंजाब राजभवन में मयंक ने कोविंद से मुलाकात की और उन्हें अपनी नई किताब भेंट की। इसके साथ ही मयंक ने उन्हें अपनी एक अन्य किताब 'गूंगी'भी भेंट की जो करीब पांच साल पहले प्रकाशित हुई थी। कोविंद ने मयंक को उनकी नई किताब के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं और भविष्य में इसी तरह से लिखते रहने को कहा। इससे पहले भी मयंक अपनी किताब 'गूंगी'को पूर्व राष्ट्रपति को भेंट कर चुके हैं। मयंक ने 2019 में भारत के पूर्व राष्ट्रपति (स्वर्गीय) प्रणब मुखर्जी और देश के तत्कालीन उप-राष्ट्रपति एम. वैंकेया नायडू को यह किताब भेंट की थी।

गौरतलब है कि राज्यसभा सांसद और चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के चांसलर सतनाम सिंह संधू ने हाल ही में मयंक की नई किताब 'बौनी गुड़िया'का विमोचन किया था। मयंक की यह दसवीं किताब है और यह उनका पहला बाल कहानी संग्रह है। सृष्टि प्रकाशन की ओर से प्रकाशित इस किताब में कुल 25 लघु कहानियां हैं। किताब की हर कहानी प्रेरणा देती है और हर कहानी में कोई न की संदेश छिपा है। किताब की पहली कहानी 'बौनी गुड़िया'एक ऐसी 'बौनी'लड़की की कहानी है जिसे बौना होने की वजह से स्कूल में हमेशा ताने सुनने को मिले। लेकिन, उसने अपनी क्लास में पढ़ने वाली एक लड़की की जान बचाकर यह साबित कर दिया कि शारीरिक तौर पर छोटा या कमजोर दिखने वाला इंसान भी वह कर सकता है जो सामान्य व्यक्ति नहीं कर सकता।

मयंक को 2018 में चंडीगढ़ साहित्य अकादमी से सर्वश्रेष्ठ किताब का पुरस्कार भी मिल चुका है। उनके कहानी संग्रह 'रिश्ते'को चंडीगढ़ साहित्य अकादमी की ओर से पुरस्कृत किया गया था। इसके बाद 2021 में मयंक की नौवीं किताब 'रिश्तों की महक'प्रकाशित हुई थी जिसमें कुल 20 लघु कहानियां थीं। हीं, वर्ष 2019 में मयंक का एक अन्य कहानी संग्रह 'गूंगी'प्रकाशित हुआ था जिसमें 15 लघु कहानियां थीं। चंडीगढ़ साहित्य अकादमी की ओर से उनकी इस किताब का चयन ग्रांट इन एड के लिए किया गया था।

शिक्षा

सत्र 2025 से यूजी, पीजी और 200 से अधिक डिप्लोमा कोर्सेज होंगे शुरू

पारुल यूनिवर्सिटी के चंडीगढ़ कैंपस में डोमिसिलर छात्रवृत्ति के तहत मिलेगी 25 फीसदी छूट

- छात्रवृत्ति के लिए 12वीं कक्षा में 50 फीसदी अंक और चंडीगढ़ निवासी होना अनिवार्य

सोनिया अटवाल

चंडीगढ़ (जगमार्ग न्यूज)। अब चंडीगढ़ निवासी छात्रों को किसी भी कोर्स में अंडर ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन करने के लिए डोमिसिलर छात्रवृत्ति के तहत फीस में 25 फीसदी छूट दी जाएगी। यह छात्रवृत्ति पारुल यूनिवर्सिटी के उत्तरी भारत यानि चंडीगढ़ में बन रहे नए केंद्र में छात्रों को दी जाएगी। यह जानकारी शुक्रवार को पारूल यूनिवर्सिटी की ओर से आयोजित प्रैस वार्ता में यूनिवर्सिटी के नार्थ रीजन हेड देविंदर ठुकराल ने दी। उन्होंने बताया कि पारूल यूनिवर्सिटी की ओर से उत्तरी भारत में विस्तार करने के उद्देश्य से चंडीगढ़ में नया कैंपस बनाने की योजना शुरू कर दी गई है। इतना ही नहीं आगामी वर्ष 2025 से पारूल यूनिवर्सिटी के चंडीगढ़ कैंपस में दाखिला प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। जिसमें यूजी, पीजी, बीटेक, एमटेक, बीबीए, एमबीए और एलएलबी आदि कोर्सेज की पढ़ाई शुरू हो जाएगी। जिसमें डोमिसिलर छात्रवृत्ति दी जाएगी और छात्र को चार साल के कोर्स में चारों वर्ष तक फीस में 25 फीसदी की छूट दी जाएगी।

ध्यान रहे कि पारुल यूनिवर्सिटी उसके विविधतापूर्ण कार्यक्रम, विश्व स्तरीय सुविधाएं और अनुभवी फैकल्टी सदस्यों के लिए जानी जाती है। कई विभिन्न शाखाओं में यूनिवर्सिटी के द्वारा कई अंडर ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट और स्नातकोत्तर कार्यक्रम उपलब्ध किए जाते हैं। विभिन्न पृष्ठभूमि के छात्रों का समावेश करनेवाली शिक्षा मुहैया करा कर उनको सक्षम करने के पारुल विश्वविद्यालय के सघन प्रयासों को ये छात्रवृत्तियां दर्शाती हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा भौगोलिक प्रदेश और आर्थिक सामाजिक तबकों से आने वाले सभी के लिए वाजिब तरीके से उपलब्ध कराने की पारुल विश्वविद्यालय की दृढ़ता का यह एक उदाहरण है। विशिष्ट आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए विशेष रूप से बनाए गए ऐसे प्रयासों के साथ उत्कृष्टता और विविधता को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय हमेशा प्रतिबद्ध है।

डोमिसिलर छात्रवृत्ति के लिए जरूरी शर्तें

देविंदर ठुकराल ने बताया कि अन्य शिक्षण संस्थान एवं यूनिवर्सिटी सिर्फ दाखिले फीस में शामिल टयूशन फीस पर ही स्कॉलरशिप देती हैं। लेकिन पारुल यूनिवर्सिटी छात्र को चार सालों तक कुल फीस में 25 फीसदी की छूट देती है। इस छात्रवृत्ति के योग्य होने के लिए छात्र के पास चंडीगढ़ का निवास प्रमाण पत्र होना चाहिए। इसके अलावा छात्र को 11वीं एवं 12वीं कक्षा में 50 फीसदी से अधिक अंक लाने अनिवार्य होंगे। उन्होंने बताया कि नॉर्थ इंडिया सेंटर में छात्र को डिप्लोमा से लेकर पीएचडी तक हर साल इस योजना का लाभ उठाने का मौका मिलेगा।

अन्य कई तरह की छात्रवृत्तियां भी की जाएंगी शुरू

देविंदर ठुकराल ने बताया कि चंडीगढ़ में बन रहे केंद्र में पंजाब के किसी भी हिस्से से छात्र दाखिला ले सकते हैं। यहां होटल मैनेजमेंट, पेरामेडिकल कोर्सेज, बीटेक, एमटेक, लॉ आदि कोर्सेज को शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बीटेक के यहां 17 से 18 कोर्सेज करवाए जाएंगे। इतना ही नहीं यूजी और पीजी कोर्सेज के अलावा 200 ये अधिक डिप्लोमा कोर्सेज भी कराए जाते हैं। जल्द ही संस्थान की ओर से डोमिसिलर छात्रवृत्ति के अलावा, जरूरतमंद छात्रों (आर्थिक रूप से कमजोर),स्पोर्ट्स, कल्चरल आदि कई तरह की छात्रवृत्तियां भी शुरू की जाएंगी।

नैक से हासिल हो चुकी है ए प्लस प्लस ग्रेडिंग

उन्होंने बताया कि पारुल यूनिवर्सिटी ने 1991 से ग्रुप शुरू किया था और अपनी बेहतरीन फैकल्टी, आधुनिक सुविधाओं, शिक्षा के नए साधनों एवं सुविधाओं से भरपूर हॉस्टल और अकादमिक उपलब्धियों के आधार पर बहुत कम समय में नैक से ए प्लस प्लस ग्रेड हासिल किया है। उन्होंने बताया कि पारुल यूनिवर्सिटी के केंद्र पहले अहमदाबाद, वडोदरा और राजकोट में थे, जिसके बाद दो केंद्र सूरत और गोवा में शुरू किए गए और जल्द ही उत्तरी भारत का केंद्र चंडीगढ़ में स्थापित किया जाएगा,जिसकी तैयारियां चल रही हैं।

सीडीओई में आयोजित 8वें दीक्षांत समारोह में 75 छात्रों को मिली डिग्री

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। ऑनलाइन और डिस्टेंस एजुकेशन के माध्यम से मीलों दूर बैठकर भी शिक्षा ग्रहण करना युवाओं के जीवन को नई दिशा दे रहा है। इसीलिए पंजाब यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड ऑनलाइन एजुकेशन के माध्यम से हर साल सैंकड़ों छात्र डिग्री पाने के सपने को पूरा कर पाते हैं। यह बात शुक्रवार को सीडीओई के 8वें दीक्षांत समारोह और 48वें पुरस्कार वितरण समारोह में, मुख्य अतिथि, केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़, हरियाणा के वाइस चांसलर प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कही।

उन्होंने दूरस्थ और ऑनलाइन शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला क्योंकि यह भौतिक सीमाओं के बावजूद ज्ञान प्राप्त करने के शाश्वत मूल्य को रेखांकित करता है। प्रोफेसर कुमार ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि शिक्षा की 'गुरकुल'प्रणाली, जिसका प्राचीन भारतीय ग्रंथों में अच्छी तरह से उल्लेख किया गया है, आधुनिक दूरस्थ शिक्षा के सिद्धांतों के साथ प्रतिध्वनित होती है। इस मौके पर सम्मानित अतिथि प्रोफेसर आर.के. गुप्ता, वीसी महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय, सोलन, हि.प्र. ने एनईपी-2020 के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि समानता और समावेशिता के मूल्यों को आगे बढ़ाते हुए देश के शैक्षिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए दूरस्थ शिक्षा केंद्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और आगे भी निभाएंगे।

जगमार्ग प्रा. लिमिटेड के लिए संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक रमेश चंद सिंघल द्वारा एससीएफ-845, सेकेंड फ्लोर, एनएसी मनीमाजरा, चंडीगढ़ से प्रकाशित एवं इंप्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लि., प्लाट नं. 22, इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-2, पंचकूला से मुद्रित। फोन: 0172-4014331 *सभी विवादों का न्यायाधिकार क्षेत्र चंडीगढ़ होगा। आरएनआई नंबर: CHAHIN/2016/70566